उसी गाँव में एक धोबी रहता था ,जिसका गधा सुबह से गायब था। उसकी पत्नी ने सलाह दी कि जाकर पंडित जी

(Part-2)

से पूछो। उन्हें भूत - भविष्य का सब पता है। वह धोबी अपना मोटा लट्ठ उठाकर पंडित जी के पास गया। पंडित जी भी सुबह से बारिश के कारण परेशान थे। धोबी ने पंडित जी से अपनी समस्या बताई तो वह क्रोधित हो गए और कहा कि जाकर किसी गढ़ई - पोखर में खोजो।

7. टिपटिपवा

टिपटिपवा कहानी

धोबी निराश होकर एक तालाब के पास पहुँचा। तालाब के किनारे ऊँची - ऊँची घास उगी थी। टिपटिपवा के डर के मारे बाघ घास में छिपा था। धोबी को अँधेरे में कुछ दिखाई नहीं दे रहा था। उसने तुरंत बाघ पर लट्ठ बरसाने शुरू कर दिए। बाघ ने मन ही मन सोचा कि यह धोबी ही टिपटिपवा है। उसने मुझे खोज लिया। अब यदि जान बचानी है ,तो जो कहे ,उसकी बात मान लो। धोबी बाघ को ही गधा समझकर ,उसका पकड़कर अपने घर के बाहर खूंटे में जाकर बाँध दिया।

सुबह जब गाँव वालों ने देखा कि धोबी के घर के बाहर बाघ बंधा हुआ है ,तो वे दंग रह गए।